

No. of Printed Pages : 8

BPYC-101

B. A. (MAJOR PHILOSOPHY)

(BAFPY)

Term-End Examination

June, 2025

BPYC-101 : INTRODUCTION TO PHILOSOPHY :

PERSPECTIVES, ISSUES AND EARLY

HISTORY

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note : *Answer all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to question nos. 1 and 2 should be in about 400 words each.*

1. Explain the *four* states of consciousness as given in Māṇḍūkya Upanishad. 20

B-1326/BPYC-101

P. T. O.

Or

Write an essay on the nature of self and the means of realization of self in Katha Upanishad. 20

2. What is the main theme of 'Nasadiya Sukta' ?
How does 'Nasadiya Sukta' explain the question of the origin of universe ? 20

Or

Write an essay on the doctrine of 'Dependent Origination'. 20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :
- (a) Explain the theory of ideas of Plato. 10
 - (b) Elaborate upon the *three* boons asked by Naciketa. 10
 - (c) Write a note on the metaphysical views of Jainism. 10
 - (d) Discuss the central philosophical issues of Medieval Western Philosophy. 10

B-1326/BPYC-101

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

- (a) Why did Danto say that the question
“What is Philosophy” is itself a
philosophical question ? Explain. 5
- (b) Describe the 'four causes' given by
Aristotle. 5
- (c) Write a note on the ethics of
Protagoras. 5
- (d) What is the 'basic stuff' and 'cause of
the universe' according to Thales ? 5
- (e) Is Indian Philosophy pessimistic and
escapist ? Evaluate. 5
- (f) Describe the concept of 'Ātman' and
'Brahman' in Upanishads. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

- (a) Polytheism 4
- (b) Karma Marga 4

(c) Existentialism	4
(d) Epistemology	4
(e) Philosophy of Plotinus	4
(f) Justice according to Plato	4
(g) 'Virtue is Knowledge'	4
(h) Subject-matter of Smṛti	4

BPYC-101

बी. ए. (मुख्य दर्शनशास्त्र)

(बी. ए. एफ. पी. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.पी.वाई.सी.-101 : दर्शनशास्त्र का परिचय :

दृष्टिकोण, मुद्दे एवं प्रारम्भिक इतिहास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान

हैं। प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर (प्रत्येक) लगभग

400 शब्दों में दीजिए।

1. माण्डूक्य उपनिषद् में दी गई चित्त की चार अवस्थाओं की

व्याख्या कीजिए।

20

B-1326/BPYC-101

अथवा

कठोपनिषद् में आत्मा की प्रकृति और आत्म-अनुभूति के साधनों पर एक निबन्ध लिखिए। 20

2. 'नासदीय सूक्त' का मुख्य विचार क्या है ? 'नासदीय सूक्त' ब्रह्माण्ड (सृष्टि) की उत्पत्ति की व्याख्या कैसे करता है ? 20

अथवा

'प्रतीत्यसमुत्पाद' के सिद्धांत पर एक निबन्ध लिखिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में दीजिए :

(अ) प्लेटो के प्रत्यय सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। 10

(ब) नचिकेता द्वारा माँगे गये तीन वरदानों का विवेचन कीजिए। 10

(स) जैन दर्शन के तत्त्वमीमांसीय विचारों पर टिप्पणी लिखिए। 10

(द) मध्यकालीन पाश्चात्य दर्शन के मुख्य दार्शनिक मुद्दों की चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग

150-150 शब्दों में दीजिए :

(अ) डेंटो ने क्यों कहा कि “दर्शन क्या है” का प्रश्न अपने

आप में एक दार्शनिक प्रश्न है ? व्याख्या कीजिए। 5

(ब) अरस्तू द्वारा प्रदत्त ‘चार कारणों’ का विवरण दीजिए। 5

(स) प्रोटागोरस के नीतिशास्त्र पर टिप्पणी लिखिए। 5

(द) थेलीज के अनुसार ‘ब्रह्माण्ड का कारण’ और ‘मूल

तत्त्व’ क्या है ? 5

(य) क्या भारतीय दर्शन निराशावादी और पलायनवादी है ?

मूल्यांकन कीजिए। 5

(र) उपनिषदों में ‘आत्मा’ और ‘ब्रह्म’ की अवधारणा का

विवरण दीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100-100 शब्दों

में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) सर्वेश्वरवाद 4

(ब) कर्म मार्ग 4

(स) अस्तित्ववाद	4
(द) ज्ञानमीमांसा	4
(य) प्लोटिनस का दर्शन	4
(र) प्लेटो के अनुसार न्याय	4
(ल) 'सद्गुण ज्ञान है'	4
(व) स्मृति की विषय-वस्तु	4

x x x x x